Fourteenth Loksabha

Session : 10
Date : 12-03-2007
Participants : Aditya Nath Shri ,Chatterjee Shri Somnath,Chatterjee Shri Somnath,Dasmunsi Shri Priya Ranjan,Malhotra Prof. Vijay Kumar,Radhakrishnan Shri Varkala,Singh Shri Prabhunath,Dasgupta Shri Gurudas

Title: Shri Yogi Aditya Nath (MP) raised a question of Privilege against Inspector General of Police, Gorakhpur and District Administration, Gorakhpur for having infringed his privilege. The Speaker made observation in this regard.

MR. SPEAKER: Hon. Members, I would just make one observation.

I have always been repeating and requesting that there is no question of any denial of an important issue to be raised. But there are certain procedures which have to be followed on certain occasions. We have decided in the Committee with the leader of Parties. I have announced it that there would be no Luncheon Hour and no other matter because of the important matter – General debate on the General Budget. But in spite of that, I have agreed to allow Yogi Aditya Nath ji because of some issue which he feels strongly to be raised.

The hon. Member Shri Kuppusami met me this morning. I said that I would allow it tomorrow. He accepted it. But I did not even know that that is the matter that is being raised. He accepted that position. Therefore, I will call you tomorrow – if you are agreeable to it – as the first thing after the Question Hour, after the Papers are laid. Please cooperate. Your issue can be properly raised.[R16]

Then you will have the satisfaction of doing duty to the people.

Now, Yogi Aditya Nath will make his submission. Today, no other matter will be allowed to be raised except the matter relating to Yogi Aditya Nath, because it is a matter of privilege.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके प्रति आभार प्रकट करना चाहता हूं।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Aditya Nath ji, I know you feel about it. You are an hon. Member of this House. Whatever is within my powers, I can assure you that I shall certainly do my best. I respect you. You tell us what happened. I will look into it.

Yogi ji, we all respect you. We shall certainly look into it.

योगी आदित्यनाथ :अध्यक्ष महोदय, मैं तीसरी बार लोक सभा का सदस्य बना हूं। पहली बार मैं 25 हजार मतों से जीता था, दूसरी बार 50 हजार मतों से और तीसरी बार लगभग 1.50 लाख मतों से गोरखपुर से चुनकर के आया हूं। लेकिन पिछले कुछ समय से राजनीतिक विद्वेा के तहत मुझे राजनीतिक पूर्वाग्रह का शिकार बनाया जा रहा है। मैं केवल आपसे यह अनुरोध करने आया हूं कि क्या मैं इस सदन का सदस्य हूं या नहीं? क्या यह सदन मुझे संरक्षण दे पाएगा या नहीं?...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You are a very hon. Member of the House.

योगी आदित्यनाथ : अध्यक्ष महोदय, यह सदन मुझे संरक्षण नहीं दे सकता है तो मैं आज ही इस सदन को छोड़कर के वापस जाना चाहता हूं। मेरे लिए यह सब कोई महत्व नहीं रखता है। मैंने अपने जीवन से समाज के लिए सन्यास लिया है, मैंने अपने मां-बाप को छोड़ा है, लेकिन आज मुझे राजनीतिक पूर्वाग्रह के तहत अपराधी बनाया जा रहा है क्योंकि मैंने वहां भ्रटाचार के मामले उजागर किए थे, भारत-नेपाल सीमा पर आईएसआई और राट्रविरोधी गतिविधियों के खिलाफ आवाज़ उठाई थी और बराबर सदन का ध्यान इस ओर आकर्ति करता रहा। मैं वहां भुखमरी से हो रही मौतों के खिलाफ प्रशासनिक भ्रटाचार का मामला उठाता रहा, इसलिए मेरे खिलाफ सारे मामले बनाए गए हैं और बनाए जा रहे हैं।

महोदय, मुझे 28 तारीख को जेल में निरूद्ध किया गया। जिसकी सूचना इस सदन को गोरखपुर जिला प्रशासन ने जो दी है, वह भी मैं आपको बताना चाहता हूं। उन्होंने लिखा है कि "श्री योगी आदित्यनाथ, लोक सभा सदस्य को शांति भंग होने की आशंका में 28 जनवरी 2007 को दोपहर बाद सदर क्षेत्र गोरखपुर उत्तर प्रदेश में गिरफ्तार किया जाता है।"

महोदय, मुझे शांति भंग होने की आशंका के तहत गोरखपुर से 20 किलोमीटर पहले गिरफ्तार किया जाता है तो शांति भंग होने की आशंका से 107, 116 के तहत कोई भी प्रशासन किसी भी व्यक्ति को 24 घण्टे से अधिक अभियुक्त बनाकर नहीं रख सकता। लेकिन मुझे 11 दिनों तक गोरखपुर जेल में क्यों रखा गया?

MR. SPEAKER: Yogi ji, I respect you. But kindly restrict to matters which we can see. We cannot go to State Government matters.

योगी आदित्यनाथ : यही नहीं जब इस मामले में मेरे अधिवक्ता ने प्रशासन से जानने का प्रयास किया कि आखिर किस मामले में मुझे बंद किया है तो पहले कहा गया कि शांति भंग की आशंका में[r17],

जब पहली फरवरी को मेरे अधिवक्ता ने इस मामले में गोरखपुर डिस्ट्रिक्ट जज के यहां एक निगरानी अपील दायर की तो बैक डेट पर मेरे खिलाफ तमाम मामले दर्ज कर दिये गये और मामले दर्ज करने के बाद मुझे पुनः...(व्यवधान) महोदय, कोई भी एफ.आई.आर. होती है तो 24 घंटे के अन्दर न्यायालय में उसकी नकल भेजी जाती है, लेकिन मेरे मामले में सात दिनों तक कोई भी एफ.आई.आर. की प्रति न्यायालय में नहीं भेजी गई। यह साबित करता है कि मेरे खिलाफ बाद में बैक डेट में मामले दर्ज किये गये और उसके बाद...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Member, may I take one second, not even a minute? As soon as your letter came to me, we have asked for a report from the Home Ministry on this matter. We are waiting for the report. You are fully aware that I have the fullest regard for you. I want to share your feeling but we cannot deal with the State Government matters.

योगी आदित्यनाथ : महोदय, मैं वही कहना चाहता हूं, मेरे लिए ये सब बातें बहुत महत्व नहीं रखतीं। राजनैतिक विद्वेा का शिकार...(व्यवधान)

SHRI GURUDAS DASGUPTA (PANSKURA): Sir, there is another issue involved here. The issue is that he is a Member of Parliament. Should a Member of Parliament be treated in the way as has been done by the State Government? … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Let us see. आप बैठ जाइये, प्लीज़।

SHRI GURUDAS DASGUPTA : Sir, it is a privilege matter. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Gurudas Dasgupta, you know very well that we have to get a report. Please sit down.

SHRI GURUDAS DASGUPTA : It is a part of infringement of the privilege of an elected Member of Parliament. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: We shall see. I have allowed him.

… (*Interruptions*)

SHRI GURUDAS DASGUPTA : Sir, I would like to put on record my strongest protest … (*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली): किसी संसद सदस्य के साथ ऐसा व्यवहार करना क्या उचित है?

MR. SPEAKER: हमें देखने दीजिए। I have followed, which is the minimum. आप सुनिये।

…(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please consider my position. I have given him an opportunity to speak. I respect him. Whatever is possible within my power, I will do it.

… (*Interruptions*)

SHRI VARKALA RADHAKRISHNAN (CHIRAYINKIL): Sir, it is a question of integrity of a Member of Parliament … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Everybody is advising me without giving me an opportunity. You are all advisors. I have given him an opportunity to speak. I am only making a request that this is a matter, as you know, on which we have certain inadequacy of power here. We do not do that.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार): अध्यक्ष महोदय, आपके एडवाइजर का काम हम नहीं करेंगे। हम आपसे एक निवेदन करना चाहते हैं कि आप सदस्यों के संरक्षक हैं।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I welcome your advices but not in all matters.

श्री प्रभुनाथ सिंह : * ...

MR. SPEAKER: यह हमने नहीं बोला। Shri Prabhunath Singh, do not be unfair to me. I did not say that. I said that there are some restrictions here. How much I can do, I will consider. I said that I will do my best. Why do you say that I have denied? Please do not put words into my mouth.

---

* Not recorded

योगी आदित्यनाथ : महोदय, मैं कोर्ट के द्वारा अब तक जिन एफ.आई.आर. को क्वैश किया गया है, जिन मामलों में फर्जी एफ.आई.आर. में स्वयं कोर्ट कहती है। किस प्रकार से मेरे साथ के लोगों को अभियुक्त बनाया गया है, अभी मेरे कुछ कार्यकर्ताओं पर जो गेंगस्टर के तहत कार्रवाई की गई है, महोदय, उसकी पूरी सूची मैं आपके सामने रखना चाहता हूं कि किस प्रकार से कार्रवाई हो रही है। अकेले गोरखपुर जनपद में 14 कार्यकर्ताओं को रासुका के तहत निरुद्ध किया गया है, कोई एफ.आई.आर. नहीं है। * ...

MR. SPEAKER: On these matters we cannot comment. You bring it to me and I will look into it.

योगी आदित्यनाथ : मैं आपके सामने रखना चाहता हूं। जनपद कुशीनगर में...(व्यवधान) वही कहना चाहता हूं। बलरामपुर में दो लोगों पर, जनपद मऊ में चार लोगों पर और गोरखपुर में 23 लोगों पर गेंगस्टर के तहत कार्रवाई की गई है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप अपने बारे में बोलिये।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This is very unfortunate. He is a very competent Member of Parliament to make a statement.

योगी आदित्यनाथ : मैं अपने बारे में ही कहना चाहता हूं। महोदय, यही नहीं, यह कार्रवाई निरन्तर उत्पीड़न की है और किस हद तक एक मामले में, जिसमें उत्तर प्रदेश की ही संस्था सी.आई.डी. ने पांच साल पहले फाइनल रिपोर्ट लगा दी थी और सात साल पहले उसमें फाइनल रिपोर्ट लग गई थी,...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have asked for a report.

योगी आदित्यनाथ : परसों उस मामले की पुनर्विवेचना का आदेश देकर मेरे खिलाफ 302 और 307 में पुनः मुझे अभियुक्त बनाने का ाडयंत्र उत्तर प्रदेश सरकार कर रही है। मैं अधिकारियों के बयान आपके सामने उद्धृत करना चाहता हूं, जो उन्होंने मेरे खिलाफ दिये हैं और उन्होंने किस रूप में संसद को भी गुमराह करने का प्रयास किया है, वह बताना चाहता हूं, मेरे खिलाफ जो उन्होंने किया है।[R18]

उस बारे में गोरखपुर के जिस जिलाधिकारी ने मुझे गिरफ्तार किया, मेरी गिरफ्तारी के बाद जब जनता का आक्रोश फूटा तब वह व्यक्ति निलंबित हुआ। उसके बाद उस व्यक्ति का

---

* Not recorded

बयान आता है कि अब समाजवादी पार्टी को मुसलमान लोग वोट नहीं देंगे यानी अधिकारी तय करेगा। अब अधिकारी तय करने लग गए हैं कि कौन, किसको वोट दे रहा है। उन्होंने आउटलुक मैगज़ीन में यह बयान दिया है। इसके अलावा और अधिकारियों ने जो बयान दिए हैं, मैं उन्हें देखना चाहता हूं। गोरखपुर जोन के तत्कालीन आईजी ने पूछा कि योगी जी को क्यों जेल भेजा गया। जिस दिन मुझे गिरफ्तार किया गया, उस दिन मैं गोरखपुर की समस्याओं को लेकर गोरखपुर के जनप्रतिनिधियों, व्यापारिक संगठनों के नेताओं और अन्य तमाम पदाधिकारियों के साथ एडीजीपी, लॉ एंड आर्डर, उत्तर प्रदेश से मिलने गोरखपुर सर्किट हाउस गया था।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप हमें सब डाक्युमैंट्स भेज दीजिए।

योगी आदित्यनाथ : * ...

MR. SPEAKER: This cannot be permitted.

योगी आदित्यनाथ : उसके बाद जिस अधिकारी को वहां उस जोन के आईजी के रूप में भेजा गया...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप हमें पेपर्स भेज दीजिए। इस मामले को हम अभी तय नहीं कर सकते।

...(व्यवधान)

योगी आदित्यनाथ : .*..

MR. SPEAKER: Please conclude now.

योगी आदित्यनाथ : ..*.

MR. SPEAKER: He is not present here. You just cannot refer to his statement here.

---

* Not recorded

योगी आदित्यनाथ : महोदय, मैं आपसे केवल यह जानना चाहता हूं कि क्या यह सदन सदस्यों को सुरक्षा प्रदान कर पाएगा?...(व्यवधान) इससे पहले कि हम श्री सुनील महतो जैसे हादसे का शिकार लोग बनें, किसी राजनीतिक ाडयंत्र का शिकार हम लोग बनें, ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Let us not go into that.

योगी आदित्यनाथ : क्या यह सदन हम लोगों को संरक्षण दे सकता है, यही जानने के लिए मैं आपके पास आया हूं। आखिर राजनीतिक - ाडयंत्रों का शिकार हम जैसे लोगों को कब तक बनाया जाता रहेगा? ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप हमें थोड़ा समय दीजिए, हम इसे देखेंगे।

...(व्यवधान)

योगी आदित्यनाथ : कब तक हम लोगों के वोट बैंक का निशाना बनते रहेंगे और कब तक चंद भ्रट अधिकारी अपने भ्रट कारनामों को छुपाने के लिए हम लोगो को अपना मोहरा बनाते रहेंगे? यही जानने के लिए मैं यहां आया हूं और इस बारे में मैं आपका संरक्षण चाहता हूं।...(व्यवधान) मैंने जेल के अंदर और बाहर से भी 6 फरवरी, 12 फरवरी और 27 फरवरी को यहां विशेाधिकार हनन के नोटिस दिए हैं। मैं इस मामले में आपका संरक्षण चाहता हूं और अनुरोध करना चाहता हूं कि इस मामले में जो अधिकारी दोाी हैं, अगर मैं दोाी हूं तो सदन मुझे दोाी ठहराए। एक क्षण नहीं लगेगा, मेरे लिए राजनीति कोई व्यवसाय नहीं है।...(व्यवधान) मेरे मन में जनता के प्रति सेवा की भावना थी, इसलिए यहां आया हूं। अगर मैं अपराधी हूं तो मुझे इस सदन में बैठने का अधिकार कतई नहीं होना चाहिए।...(व्यवधान) सदन इसे तय कर ले।...(व्यवधान) अगर मैं दोाी नही हूं तो जिन अधिकिरियों ने मुझे फर्जी मामलों में अभियुक्त बनाया, उन अधिकारियों के खिलाफ और आज भी राजनीतिक ाडयंत्रों के तहत, राजनीतिक पूर्वाग्रहों के तहत मेरे खिलाफ जो कार्यवाही हो रही है, *...

---

* Not recorded

MR. SPEAKER: That will not go on record.

(Interruptions) ...*

योगी आदित्यनाथ : आखिर उन लोगों के लिए दूसरा नियम और हमारे लिए दूसरा नियम, यह कहां का न्याय है। इसलिए हमें इस मामले में आपका संरक्षण चाहिए।...(व्यवधान) आप हमें संरक्षण प्रदान कीजिए। धन्यवाद।

MR. SPEAKER: There is no question of any such thing. Please do not impute anything to the Chair. He had made a reference, and I have said that the procedure is being followed about that.

So far as your matter is concerned, I am again repeating that you are an hon. Member of his august House. I respect you for your commitments. There is no question about your commitments. But as you know, some procedure has to be followed. I can assure you that if in any way, your privileges have been interfered with, whatever power is there in this House and in the Chair, will be used irrespective of anything else. Please rest assure, I will try to do my best, but I have to proceed according to procedures and norms.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Sir, the Union Government also should take notice of it.

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, देखेंगे।

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : The Central Government also has some responsibility. Shri Priya Ranjan Dasmunsi is present here.

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन (भागलपुर): अध्यक्ष महोदय, पार्लियामेंट्री अफेयर्स मंत्री जी सरकार की तरफ से बयान दें।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will look into it myself.

Hon. Member, please send all the relevant materials you have, for my consideration. [N19]

---

* Not recorded

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will bring you to the Chair.

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI): The response to every hon. Member is that the matter is seized by the hon. Speaker. I do not want to express anything on this.

MR. SPEAKER: It is under my consideration. The Government has nothing to do with it. They cannot say either yes or no to the exercise of my authority. I do not depend on them.

SHRI RUPCHAND PAL (HOOGHLY): Sir, the public sector employees in the country are on the road today.

MR. SPEAKER: You raise it tomorrow.

… (*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैंने भी एक नोटिस दिया है, उसका क्या हुआ? ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : उसे आज नहीं लिया जायेगा। You had decided that there would be no matter. No, I would not allow this.

...(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरे नोटिस को कब लिया जायेगा ?

अध्यक्ष महोदय : हम देखेंगे। अगर समय मिला तो कल लिया जायेगा नहीं तो परसों लेंगे।

...(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, यह तात्कालिक महत्व का विाय है।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : सभी विाय महत्व के हैं।